तर्ज--तर्ज-मेरे दोस्त किस्सा ये क्या हो गया

तेरा जलवा नूरी खुदा हो गया
के जिसने भी देखा फिदा हो गया

1--तेरे दर्शनों से है दुनिया की रहमत
है दरबार तेरा मेहर की दौलत
जो आया शरण शहनशाह हो गया

2--नजरे कर्म तेरी जिस पर पड़ी है
खुशी दुनिया की उसके आगे खड़ी है
खुदा जाने क्या से क्या हो गया

3--उजाला तेरे नूर से दरबदर
तेरे हुकम से होती शामो सहर
डूबती नैया का मल्लाह हो गया

Nijanand App